Total No. of Questions - 10] [Total Pages : 2

(2062)

9927

Advanced Diploma in Bhoti Language Examination

TIBET MEIN BODH DHARAM KA ITIHAS

(तिब्बत में बौद्ध धर्म का इतिहास)

Paper–III

(Semester-I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान (20-20) हैं।

1. भोट देश के प्रथम 'राजाञठी चयनो' के शासनकाल की स्थिति का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

2. तिब्बत के सुप्रसिद्ध धार्मिक राजा सोङचन गम्पो ने बौद्ध विधाओं के अध्ययनार्थ किस मन्त्री को भारत भेजा ? विस्तार से उल्लेख कीजिए। 20

3. राजा सोङचन गम्पो तथा थोनमी सम्भोट ने तिब्बती लिपि निर्माण के विषय में विस्तार से लिखिए। 20

4. भोट देश में बौद्ध विधाओं के प्रचार-प्रसार के लिए भारत के प्रथम कौन बौद्ध विद्वान आचार्य गए। विस्तार से लिखिए। 20

5. 'खनलोब छोरुसुम' ने संस्कृत बौद्ध ग्रन्थों के अधिक अनुवाद का कार्य प्रारम्भ कराया है। इन के विषय में विस्तार से लिखिए। 20

6. भोट देश में वज्रयान को फैलाने में किस की देन है लिखिए। 20

7. काज्ञुद संप्रदाय के प्रवर्तक कौन थे विस्तार से लिखिए। 20

8. जोवो शाक्यमुनि की प्रतिभा क्यों प्रसिद्ध है? विस्तार से लिखिए। 20

9. कादम सरषा के संस्थापक कौन थे विस्तार से लिखिए। 20

10. योगी मिलारेपा की रचनाओं में कौन-सी पुस्तक प्रसिद्ध है? विस्तार से उल्लेख कीजिए। 20